मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

24 जून 2026

वर्ष - 04, अंक - 08 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 1,51,905 Silver 2,95,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

एमपी में बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति घोषित

147 सदस्य बनाए गए, इनमें सिर्फ एक मुस्लिम महिला को मिली जगह, विशेष आमंत्रित सदस्यों की लिस्ट बाद में

भोपाल । भोपाल से जारी इस घोषणा ने राज्य की राजनीतिक गतिविधियों को नई दिशा दे दी है। आगामी प्रदेश कार्यसमिति बैठक और संगठनात्मक रणनीति पर अब सबकी नजरें टिकी हैं। मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने नई प्रदेश कार्यसमिति की घोषणा कर दी है। घोषित सूची के अनुसार कुल 147 नेताओं को संगठन की नई संरचना में स्थान दिया गया है, जिनमें 106 कार्यसमिति सदस्य और 41 स्थायी आमंत्रित सदस्य शामिल हैं। विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची फिलहाल जारी नहीं की गई है और इसे जल्द घोषित किए जाने की संभावना है। नई कार्यसमिति ऐसे समय सामने आई है जब पार्टी आगामी राजनीतिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारी में जुटी हुई है। घोषित सूची में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा समेत राज्य और केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके और सावित्री ठाकुर को भी प्रदेश कार्यसमिति में जगह दी गई है।

प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों को भी संगठनात्मक जिम्मेदारी के साथ जोड़ा गया है। इनमें कैलाश विजयवर्गीय, प्रह्लाद पटेल, राकेश सिंह, तुलसीराम सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत, विश्वास सारंग, चेतन कश्यप, कृष्णा गौर और अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। राजनीतिक जानकार इसे सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय की रणनीति के रूप में देख रहे हैं।

सामाजिक प्रतिनिधित्व पर नजर – नई कार्यसमिति की घोषणा के बाद सामाजिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी चर्चा में है। 106 सदस्यीय कार्यसमिति में बिलकिस जहां एकमात्र मुस्लिम महिला सदस्य हैं जिन्हें स्थान दिया गया है। ऐसे में अल्पसंख्यक समुदाय की भागीदारी को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है।

हालांकि भाजपा नेताओं का कहना है कि संगठन में चयन का आधार कार्यकर्ता की सक्रियता, अनुभव और संगठनात्मक योगदान रहा है। पार्टी का दावा है कि विभिन्न सामाजिक वर्गों और क्षेत्रों को संतुलित प्रतिनिधित्व देने का प्रयास किया गया है।

सिंधिया समर्थकों को भी जगह – नई कार्यसमिति में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ उनके कई समर्थकों को भी महत्वपूर्ण स्थान मिला है। इनमें तुलसीराम सिलावट, एदल सिंह कंसाना, गोविंद सिंह राजपूत, इमरती देवी, महेंद्र सिंह सिसोदिया, गिर्राज दंडोतिया और ओपीएस भदौरिया जैसे नाम शामिल हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह कदम पार्टी के भीतर विभिन्न गुटों और नेताओं के बीच संतुलन बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। इससे संगठनात्मक एकजुटता को मजबूत करने का संदेश भी जाता है।

पिछली कार्यसमिति से क्या बदला – रिपोर्ट्स के अनुसार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के कार्यकाल में प्रदेश कार्यसमिति में करीब 200 सदस्य शामिल थे। वहीं स्थायी आमंत्रित सदस्यों की संख्या 22 थी और विशेष आमंत्रित सदस्यों की संख्या 235 तक पहुंच गई थी। इस बार कार्यसमिति का आकार अपेक्षाकृत छोटा रखा गया है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि सीमित और सक्रिय टीम के माध्यम से संगठनात्मक निर्णयों को अधिक प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है।

आगे क्या – अधिकारियों और पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जुलाई के मध्य में ओरछा में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हो सकती है। इस बैठक में आगामी चुनावी रणनीति, संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और सरकार-संगठन समन्वय जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची भी जल्द जारी की जाएगी। इसमें मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी और विभिन्न प्रकोष्ठों के संयोजकों को शामिल किए जाने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति की यह नई संरचना आने वाले महीनों में पार्टी की राजनीतिक दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और यह आज की ताज़ा ख़बरें तथा भारत समाचार अपडेट के प्रमुख विषयों में शामिल है।

खेत में चल रही थी एमडी ड्रग्स फैक्ट्री, पुलिस ने 14 करोड़ की ड्रग्स जब्त की, दो गिरफ्तार

मन्दसौर । मंदसौर की नई आबादी थाना पुलिस ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध एमडी ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ग्राम बाजखेड़ी के निकट खेतों के बीच बने एक कमरेनुमा मकान पर दबिश दी। यहां से लगभग 14 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 14 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

कार्रवाई के दौरान दो आरोपी भी गिरफ्तार हुए हैं। रैकेट से जुड़े अन्य संदिग्धों को भी पुलिस निगरानी में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का लक्ष्य इस पूरे नेटवर्क और इसकी सप्लाई चेन का खुलासा करना है।

खेत पर बन रहा था सिंथेटिक ड्रग्स – पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नई आबादी थाना क्षेत्र के एक सुनसान इलाके में खेत के बीच बने मकान

में बड़े पैमाने पर सिंथेटिक ड्रग्स का निर्माण किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने दबिश दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी बाहर से कच्चा माल खेत पर लाते थे। तैयार माल को जिले सहित अन्य क्षेत्रों में भी सप्लाई किया जाता था। कार्रवाई में नई आबादी थाना प्रभारी कुलदीप सिंह राठौर, उप निरीक्षक विनय बुंदेला, उप निरीक्षक विकास गहलोत और शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय सहित पुलिस टीम की भूमिका रही।

जांच के बाद तय होगी आरोपियों की भूमिका – एसपी विनोद कुमार मीना ने बताया, फिलहाल मौके पर पुलिस की कार्रवाई जारी है और जल्द ही पूरे मामले का विस्तृत खुलासा किया जाएगा। जांच पूरी होने के बाद ही बरामद मादक पदार्थ की वास्तविक मात्रा के साथ-साथ गिरफ्तार आरोपियों और अन्य संदिग्धों की भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

मप्र में अब मुक्तिधाम में ही बनेंगे मृत्यु प्रमाण-पत्र - सीएम

भोपाल । मध्यप्रदेश में मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए परिजनों को भटकना नहीं पड़ेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार अब मृत्यु प्रमाण-पत्र मुक्तिधाम में ही बनेंगे और परिजनों को मिल सकेंगे। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिए कि अब मृत्यु पंजीयन की व्यवस्था विश्राम घाटों पर ही शुरू की जाए। इसके लिए कार्ययोजना बनाई जाए, ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्हें यह सुविधा आसानी से मिल सके।

आर्थिक-सांख्यिकी विभाग की समीक्षा – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ये निर्देश आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग की समीक्षा बैठक में जन्म और मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था पर चर्चा के दौरान दिए। साथ ही सीएम ने कहा, विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस बार 15 अगस्त को जिलों के विकास कार्यों का सोशल ऑडिट कराया जाएगा।

प्रभारी मंत्री पेश करेंगे रिपोर्ट कार्ड – सीएम ने कहा कि प्रभारी मंत्री जनता के सामने अपने-अपने जिले का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करेंगे। साथ ही जिलों के विकास सूचकांक स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक तय किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा, औद्योगिक, कृषि आधारित और वन संपदा वाले जिलों के लिए अलग-अलग विकास मानक निर्धारित हों। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मकान बनाने वालों को तकनीकी मार्गदर्शन दिए जाने के निर्देश दिए।

गंदे पानी की सप्लाई पर बिफरीं नपा अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा, भुगतान रोकने की भी दी चेतावनी

"सुधारें व्यवस्था, नहीं तो निरस्त होगा ठेका"

15 दिन का अल्टीमेटम : पेयजल संकट और गंदे पानी की शिकायतों पर नपा अध्यक्ष, सीएमओ और जलकल सभापति ने नागपुर की कंपनी और प्रोजेक्ट मैनेजर को जमकर फटकारा

नीमच। शहर में पिछले लंबे समय से मिल रही गंदे पानी और अनियमित पेयजल सप्लाई की शिकायतों पर नगर पालिका परिषद नीमच की अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा ने सख्त रुख अपना लिया है। शनिवार को नपा अध्यक्ष कक्ष में आयोजित जलकल अमले की आपात बैठक में अध्यक्ष ने पेयजल वितरण और शुद्धिकरण का कार्य देख रही कंपनियों के जिम्मेदारों को जमकर खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) दुर्गा बामनिया को स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि तय समय में व्यवस्था नहीं सुधरी और लापरवाही मिली, तो संबंधित कंपनी का ठेका निरस्त करने का नोटिस जारी कर कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में जलकल सभापति छाया जायसवाल की मौजूदगी में फिल्टर मीडिया का कार्य कर रही नागपुर की कंपनी के अधिकारी चकोर और पेयजल वितरण संभाल रही कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर आकाश गुप्ता की क्लास लगाई गई। नपा अध्यक्ष ने नागपुर की कंपनी को हर हाल में 15 दिन के भीतर फिल्टर मीडिया बदलने का काम पूरा करने और अगले 3 दिनों में जल शुद्धिकरण की व्यवस्था दुरुस्त करने के कड़े निर्देश दिए।

- **ठेका निरस्त करने के निर्देश: नपा अध्यक्ष ने सीएमओ को निर्देशित किया है कि व्यवस्था में सुधार न होने पर दोनों जिम्मेदार कंपनियों का ठेका निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू करें।**
- **3 दिन में सुधार, 15 दिन में काम: फिल्टर मीडिया बदलने वाली कंपनी को व्यवस्था सुधारने के लिए 3 दिन और पूरा काम खत्म करने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।**
- **केमिस्ट को रोजाना जांच के आदेश: सीएमओ दुर्गा बामनिया ने केमिस्ट सुरेश पवार को निर्देशित किया है कि वे शहर में होने वाले जल वितरण की निरंतर सैंपलिंग और जांच करें।**
- **अमले को चेतावनी: पेयजल वितरण से जुड़े लाइनमैन और अन्य कर्मचारियों को भी साफ शब्दों में कहा गया है कि पानी की सप्लाई में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।**

.....काम नहीं तो भुगतान भी नहीं....

नपा अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा ने ठेकेदारों को दो टूक लहजे में चेतावनी देते हुए कहा, 'शहर में पेयजल वितरण का कार्य ठेके पर है, लेकिन ठेकेदार शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। आपकी लापरवाही के कारण नपा के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जनता के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ता है। अगर शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं हुआ, तो नगर पालिका से भुगतान की उम्मीद भी मत रखना।' बैठक में जलकल सभापति छाया जायसवाल ने भी ठेकेदार की लापरवाही को रेखांकित करते हुए कहा कि जो कंपनी नागरिकों को समय पर शुद्ध पानी नहीं दे सकती, उसके खिलाफ तुरंत दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। बैठक में रहे मौजूदः इस उच्च स्तरीय बैठक में जलकल विभाग प्रभारी इंजीनियर अनु सोलंकी, सुरेश पवार, नाथूलाल नागर सहित पेयजल वितरण कंपनी के ठेकेदार और जलकल विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल आज नीमच आएंगे

कार्यकर्ताओं से घर-घर मिलकर संगठन को देंगे मजबूती

नीमच। मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, चुरहट विधायक एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल 24 जून को नीमच दौरे पर रहेंगे। कांग्रेस संगठन के पुनर्गठन के बाद पार्टी अब बड़े आयोजनों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। इसी क्रम में अजय सिंह राहुल प्रदेशभर में कार्यकर्ताओं और आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर संगठन को मजबूत करने के अभियान में जुटे हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने बताया कि अजय सिंह राहुल 24 जून को दोपहर 1 बजे नीमच स्थित कांग्रेस कार्यालय गांधी भवन पहुंचेंगे। यहां वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी करेंगे।

इसके बाद अजय सिंह राहुल विभिन्न कांग्रेस कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के निवास पर पहुंचकर उनसे व्यक्तिगत मुलाकात करेंगे। कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि कार्यकर्ताओं के बीच सीधे पहुंचकर संवाद स्थापित करने से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और जमीनी स्तर पर पार्टी की सक्रियता बढ़ेगी।

जिला कांग्रेस संगठन महासचिव बृजेश मित्तल ने बताया कि इस दौरे में किसी बड़े सार्वजनिक आयोजन की बजाय जनसंपर्क कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों, ब्लॉक अध्यक्षों, मोर्चा संगठनों के प्रमुखों एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद अजय सिंह राहुल रात्रि 8:30 बजे भोपाल के लिए रवाना होंगे। कांग्रेस संगठन इस दौरे को आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में महत्वपूर्ण मान रहा है।

तनाव मुक्त रहने के गुर सीखे : योग दिवस पर डॉक्टरों और कर्मचारियों ने किया मेडिटेशन, राजयोग से मानसिक स्वास्थ्य का संदेश

नीमच। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गोमाबाई नेत्रालय में शनिवार को मानसिक स्वास्थ्य, योग, ध्यान एवं तनाव प्रबंधन विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। ब्रह्माकुमारी संस्थान के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम में चिकित्सकों और कर्मचारियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए मेडिटेशन और राजयोग के महत्व की जानकारी दी गई। सत्र में ब्रह्माकुमारी संस्थान की बी.के. श्रुति दीदी एवं बी.के. सविता दीदी ने कहा कि वर्तमान समय में व्यस्त जीवनशैली और कार्य का बढ़ता दबाव मानसिक तनाव का प्रमुख कारण बन रहा है। ऐसे में नियमित ध्यान, सकारात्मक चिंतन और आत्मचिंतन व्यक्ति को मानसिक शांति प्रदान करने के साथ उसकी कार्यक्षमता एवं एकाग्रता को भी बढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि राजयोग केवल ध्यान की प्रक्रिया नहीं, बल्कि विचारों को सकारात्मक दिशा देने और मन को संतुलित बनाए रखने का माध्यम है। इस दौरान उपस्थित चिकित्सकों और कर्मचारियों को गहरी श्वास, सकारात्मक संकल्प तथा प्रतिदिन कुछ समय स्वयं के लिए निकालने जैसे सरल लेकिन प्रभावी उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने ध्यान अभ्यास में भाग लिया और योग एवं मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर गोमाबाई नेत्रालय प्रबंधन, चिकित्सकगण एवं स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े चिकित्सकों और कर्मचारियों के मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें तनावमुक्त और सकारात्मक कार्य वातावरण के प्रति जागरूक करना था। प्रतिभागियों ने सत्र को उपयोगी, प्रेरणादायक और वर्तमान समय की आवश्यकता बताया।

पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा, रोटरी क्लब नीमच के नवीन सत्र का पदस्थापना समारोह सम्पन्न

नीमच। सामाजिक सेवा और मानवीय मूल्यों के लिए समर्पित रोटरी क्लब नीमच के नवीन सत्र 2026-27 का पदस्थापना समारोह रविवार शाम मंगलम होटल एंड रिसोर्ट, मनासा रोड पर आयोजित किया गया। समारोह में रोटेरियन युजवेन्द्र सिंह भाटिया ने अध्यक्ष, अभिषेक शर्मा ने सचिव तथा डॉ. अंतिमा भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। साथ ही नवीन कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों का विधिवत पदस्थापन किया गया।

मुख्य अतिथि एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2027-28 रोटेरियन मुकेश साहू ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही सच्ची सेवा है और रोटरी इसी भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रोटरी विश्व के 207 देशों में 13 लाख से अधिक सदस्यों और 36 हजार क्लबों के माध्यम से निरंतर सेवा कार्य कर रही है। रोटरी का सबसे बड़ा उद्देश्य जरूरतमंदों तक त्वरित सहायता और सहयोग पहुंचाना है।

उन्होंने बताया कि रोटरी द्वारा आंगनबाड़ियों में 80 से 100 बच्चों को गोद लेकर कुपोषण दूर करने का अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 10 हजार बच्चों को कुपोषण से मुक्त कर स्वस्थ बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में रोटरी क्लब

नीमच की अलग पहचान है।

शपथ अधिकारी एवं डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 2028-29 रोटेरियन सुखदेव सिंह घुम्मन ने कहा कि रोटरी का 121 वर्षों का गौरवशाली इतिहास है और सेवा कार्यों के विस्तार के लिए नए क्लबों का गठन भी आवश्यक है। रोटरी में परिवार जैसा वातावरण मिलता है, जो सेवा भावना को और मजबूत बनाता है।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष युजवेंद्र सिंह भाटिया ने कहा कि क्लब के सदस्यों ने जिस विश्वास के साथ उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर वे पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि 'कनेक्ट, कॉपरेट और कॉन्ट्रीब्यूट' के मंत्र को आत्मसात कर सेवा के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने वाली चार छात्राओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। पूर्व इनर व्हील अध्यक्ष रजिया अहमद ने श्रीमती शोभा लॉक्स को सांकेतिक रूप से सिलाई मशीन प्रदान कर सेवा प्रकल्प अभियान का शुभारंभ किया। पूर्व अध्यक्ष शरद जैन ने आगामी सत्र में सेवा, सहयोग और सहभागिता पर आधारित विभिन्न सामाजिक प्रकल्प संचालित किए जाने की जानकारी दी।

समारोह में मंचासीन अतिथियों का स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण शर्मा ने किया तथा आभार अभिषेक शर्मा ने व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर समय पर पहुंचने वाले पांच रोटेरियन साथियों सुरेश जैन मशीनरी, दिनेश लड्ढा, प्रवीण शर्मा, राजेश जायसवाल और मुकेश कालरा का सम्मान किया गया। साथ ही गुणवंत ऐरन को भी सम्मानित किया गया।

क्या आरएसएस की भारत की जनता के प्रति जवाबदेही होनी चाहिए?

नीरज कुमार दुबे

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर कांग्रेस और उसके वैचारिक सहयोगियों ने एक बार फिर वही पुराना शोर उठाया है कि संघ पंजीकृत क्यों नहीं है? कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे का पत्र और उसके बाद खड़ा किया गया राजनीतिक कोलाहल इस बात का प्रमाण है कि संघ विरोधियों के पास न तथ्य बचे हैं, न तर्क। वह केवल विवाद पैदा करना चाहते हैं, क्योंकि जिस संगठन को जनता का भरोसा और समाज का समर्थन हासिल हो, उसे बदनाम करने का सबसे आसान तरीका संदेह फैलाना होता है।

लेकिन इस बार संघ ने भी स्पष्ट और सीधा उत्तर दिया है। मोहन भागवत ने साफ कहा, ह्लहिंदू धर्म भी पंजीकृत नहीं है।ह्व यह उस पूरी मानसिकता पर प्रहार है जो मानती है कि भारत की हर सांस्कृतिक चेतना को सरकारी मुहर से ही वैधता मिलेगी। भागवत ने कहा कि संघ 1925 में स्थापित हुआ था। क्या तब अंग्रेजों से जाकर पंजीकरण कराया जाता? साथ ही स्वतंत्रता के बाद भी भारत के संविधान ने कभी यह अनिवार्य नहीं किया कि हर स्वैच्छिक संगठन सरकारी रजिस्टर में दर्ज हो तभी वह अस्तित्व में रह सकता है।

असल में कांग्रेस की समस्या संघ के पंजीकरण से नहीं, संघ के प्रभाव से है। जिस संगठन ने बिना सरकारी धन, बिना विदेशी सहायता और बिना सत्ता के सहारे सौ वर्षों तक राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उससे कांग्रेस की बेचैनी स्वाभाविक है। संघ ने चरित्र निर्माण किया, अनुशासन दिया, समाज को जोड़ा, सेवा का संस्कार दिया और राष्ट्रवाद को जीवन का व्यवहार बनाया। दूसरी ओर कांग्रेस का एक हिस्सा वर्षों तक विदेशी शक्तियों के सामने वैचारिक समर्पण करता रहा। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते करने वाली राजनीति आज संघ से राष्ट्रभक्ति का प्रमाण मांग रही है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है?

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 नागरिकों को संगठन बनाने की स्वतंत्रता देता है। यह नागरिकों का मौलिक अधिकार है। संविधान कहीं नहीं कहता कि हर सामाजिक संगठन को पहले सरकार के सामने सिर झुकाकर अनुमति लेनी होगी। सोसाइटी कानून, न्यास कानून और अन्य व्यवस्थाएं केवल कानूनी सुविधाओं के लिए हैं, अस्तित्व के लिए नहीं।

संघ के पंजीकरण प्रमाणपत्र को देखने की चाह रखने वाले प्रियांक खरगे, पवन खेड़ा और कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में मंत्री होना कानून से ऊपर

होना नहीं होता। किसी मंत्री की व्यक्तिगत इच्छा कानून नहीं बन जाती। यदि कानून में अनिवार्यता नहीं है, तो केवल राजनीतिक नफरत के कारण किसी संगठन को कटघरे में खड़ा नहीं किया जा सकता। यही विधि का शासन है, यही संविधान की आत्मा है।

संघ को समझने के लिए उसकी मूल प्रकृति को समझना आवश्यक है। संघ कोई पारंपरिक कार्यालयी संस्था नहीं, बल्कि समाज आधारित आंदोलन है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने इसे सदस्यता कार्ड, शुल्क और कागजी ढांचे की बजाय शाखा, संस्कार और स्वयंसेवा के आधार पर खड़ा किया। आज भी कोई व्यक्ति शाखा में जाकर स्वयंसेवक बन सकता है। यही कारण है कि संघ समाज के बीच रहता है, किसी फाइल में बंद नहीं रहता। संघ अपने आरम्भकाल से ही सामाजिक और सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में आगे बढ़ता रहा है। संघ में औपचारिक सदस्यता और कठोर संस्थागत नियंत्रण नहीं होता। शाखाएं अपने संसाधनों से चलती हैं और संगठन का संचालन सामाजिक सहभागिता से होता है।

इतिहास यह भी बताता है कि संघ को बार-बार राजनीतिक दमन का सामना करना पड़ा। महात्मा गांधी की हत्या के बाद प्रतिबंध लगाया गया, आपातकाल में हजारों स्वयंसेवक जेल भेजे गए, बाबरी प्रकरण के बाद भी हमला हुआ। लेकिन हर बार संघ और अधिक मजबूत होकर निकला। इसका कारण यह था कि संघ की जड़ें सत्ता में नहीं, समाज में हैं। मोहन भागवत ने भी याद दिलाया कि सरकारें संघ पर प्रतिबंध लगाती रहीं, इसका अर्थ ही यह है कि सरकारें संघ के अस्तित्व और प्रभाव को मानती रही हैं।

देखा जाये तो संघ विरोधी बार बार पारदर्शिता और कराधान का मुद्दा उठाते हैं। लेकिन वह जानबूझकर न्यायालयों के निर्णयों को नजरअंदाज करते हैं। ह्लगुरु दक्षिणाह्व को लेकर न्यायालयों ने पारस्परिकता के सिद्धांत को स्वीकार किया था। पटना उच्च न्यायालय ने स्पष्ट माना कि स्वयंसेवकों का स्वैच्छिक योगदान करयोग्य आय नहीं माना जा सकता। संघ ने कभी कानून से छूट नहीं मांगी। उसने केवल वही स्वीकार किया जो कानून कहता है। कानून जहां लागू होता है, वहां संघ के सहयोगी संगठन विधिवत पंजीकृत हैं, लेखा परीक्षण कराते हैं और अपने प्रतिवेदन भी प्रकाशित करते हैं।

यही वह बिंदु है जहां कांग्रेस का पाखंड खुलकर सामने आता है। दशकों तक सत्ता में रहने वाली पार्टी आज संघ से पारदर्शिता मांग रही है, जबकि स्वयं उसके इतिहास पर आपातकाल, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और विदेशी प्रभाव के आरोप लगे हुए हैं। जो दल लोकतंत्र को कुचलने के लिए आपातकाल थोप सकता है, वह आज लोकतांत्रिक मूल्यों का उपदेश दे रहा है। यह राजनीतिक हास्य से अधिक कुछ नहीं।

मोहन भागवत ने बिल्कुल सही कहा कि संघ खुलकर काम करता है, किसी गुप्त संगठन की तरह नहीं। लाखों शाखाएं, हजारों सेवा प्रकल्प, शिक्षा, ग्राम विकास, आपदा राहत, सामाजिक समरसता, वनवासी कल्याण, गौ सेवा, पर्यावरण संरक्षण, संघ का हर कार्य समाज के सामने है। यदि संघ में कुछ छिपा होता तो वह सौ वर्षों तक सार्वजनिक जीवन में इतने व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता।

दरअसल संघ की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि उसने राष्ट्रवाद को केवल नारों तक सीमित नहीं रखा। जब भी देश पर संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले खड़े दिखाई दिए। विभाजन के समय राहत कार्य हो, प्राकृतिक आपदाएं हों, महामारी का दौर हो या सीमा पर सैनिकों के परिवारों की सहायता, संघ के कार्यकर्ता हर जगह सक्रिय रहे। यही कारण है कि भारत का सामान्य नागरिक संघ को कागजी संस्था नहीं, राष्ट्रीय चेतना का प्रहरी मानता है।

संघ को लेकर सबसे अधिक भ्रम उन लोगों में है जो भारत को केवल सत्ता और चुनाव की नजर से देखते हैं। संघ सत्ता के लिए नहीं, समाज के लिए काम करता है। यही कारण है कि वह राजनीतिक उतार चढ़ाव से अप्रभावित रहता है। मोहन भागवत ने हाल में कहा था कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन है, लेकिन सबसे अधिक गलत समझा जाने वाला संगठन भी है। यह कथन बिल्कुल सही है। जिन लोगों ने कभी शाखा देखी ही नहीं, वह संघ पर सबसे अधिक आरोप लगाते हैं।

देखा जाये तो आज आवश्यकता इस बात की है कि संघ को राजनीतिक चश्मे से नहीं, उसके कार्यों से देखा जाए। यदि कोई संगठन बिना सरकारी सहायता के, बिना विदेशी धन के और बिना सत्ता के दबाव के सौ वर्षों तक राष्ट्रसेवा करता है, तो उसकी वैधता किसी सरकारी रजिस्टर से नहीं, जनता के विश्वास से तय होती है।

कांग्रेस और संघ विरोधियों को यह समझ लेना चाहिए कि संघ को डराकर, बदनाम करके या कानूनी भ्रम फैलाकर कमजोर नहीं किया जा सकता। संघ की शक्ति कागजों से नहीं, करोड़ों स्वयंसेवकों के समर्पण से आती है। उसका अस्तित्व किसी मंत्री की कृपा पर नहीं, भारत की सांस्कृतिक आत्मा पर आधारित है। जो सौ वर्षों से राष्ट्र को सब कुछ दे रहा हो, उसे अपना परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। राष्ट्र स्वयं उसका परिचय बन जाता है।

साथ ही संघ को किसी वंशवादी राजनीति से चरित्र प्रमाणपत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। जिस संगठन ने सौ वर्षों तक बिना सत्ता, बिना सरकारी संरक्षण और बिना विदेशी सहारे के राष्ट्रजीवन को दिशा दी हो, उसकी पहचान किसी सरकारी मुहर से नहीं होती। संघ का परिचय उसके करोड़ों स्वयंसेवकों की तपस्या है, उसकी शाखाओं का अनुशासन है, उसकी सेवा का विस्तार है और भारत माता के प्रति उसका अखंड समर्पण है। राजनीतिक दल सत्ता से बनते और मिट जाते हैं, लेकिन संघ जैसी राष्ट्रशक्ति पीढ़ियों तक समाज की चेतना में जीवित रहती है। संघ को मिटाने के सपने देखने वाले आते जाते रहे, लेकिन संघ आज भी उतना ही दृढ़, उतना ही प्रभावशाली और उतना ही राष्ट्रनिष्ठ खड़ा है, क्योंकि उसका आधार सत्ता नहीं, भारत की सनातन आत्मा है।

संपादकीय

एक थोपे युद्ध का अंत

दुनिया ने राहत की सांस महसूस की होगी! आर्थिक मंदी, ऊर्जा-खाद्य संकट और तबाही की भयावहता अब नहीं डराएगी। ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं। युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कंटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के ह्यवर्साय पैलेसह्ल में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं, अंततः विध्वंस का दौर थम गया। मानवता जिंदा रह सकेगी, फिलहाल यह तय किया गया है। अब आगे के 60 दिन वाताओं के दौर जारी रहेंगे। अंतिम समाधान और सहमति तय की जाएगी, लेकिन यह निश्चित है कि राष्ट्रपति ट्रंप अब युद्ध का आदेश नहीं देंगे। इस युद्ध ने उनकी कई गलतफहमियां दूर की हैं, युद्ध के बारे में वह आत्ममंथन कर रहे होंगे, शायद क्यूबा को भी बख्श देंगे और इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि हरेक देश वेनेजुएला नहीं होता। यह युद्ध-समाप्ति बेहद त्रासद रही है, क्योंकि कुल 7500 से अधिक मौतें हुईं। पेंटागन और ईरान वॉर कॉस्ट ट्रैकर के मुताबिक, दोनों देशों को करीब 162 लाख करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। दुनिया के वे देश, जिनका युद्ध से प्रत्यक्ष संबंध नहीं था, उन्हें भी करीब 112 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी। खाड़ी देशों को करीब 194 अरब डॉलर का नुकसान ही झेलना नहीं पड़ा, बल्कि करीब 36 लाख नौकरियां/रोजगार खत्म हो गए। करीब 40 लाख लोग गरीबी-रेखा के नीचे जाने को विवश हुए। अमरीका-इजरायल ने ईरान पर करीब 2500 हमले किए और उसे खंडहर बना दिया। अकेले ईरान को करीब 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और अमरीका को भी करीब 10.64 लाख करोड़ रुपए फूंकने पड़े। उसकी 10 लाख करोड़ रुपए की मिसाइलें और ड्रोन ईरान ने तबाह कर दिए। अमरीका के 15 सैनिक भी मारे गए और खाड़ी देशों में उसके सैन्य ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया है। 'सुपर पॉवर' की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे। उन्हें आगामी तीन सालों में भी भरा नहीं जा सकता। आर्थिक मंदी मंडरा कर डराने लगी थी, लिहाजा युद्ध समाप्त करने के अलावा, कोई और विकल्प नहीं था।

चिंतन-मनन

कर्म से बना है वर्ण

मेरे द्वारा चार वर्णों की रचना गुण और कर्मों के हिसाब से की जाती है, फिर भी तू मुझे कभी न खत्म होना वाला और कर्मों के बंधन से मुक्ति ही जान ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र ये चार वर्ण हैं, अब ऐसा मान लेते हैं कि जो जिस घर में जन्म लेता है, वह उसी वर्ण का कहलाता है। जबकि वर्ण व्यवस्था गुण और कर्म के आधार पर शुरू हुई थी। पहले जब बच्चे को पढ़ाई के लिए गुरुकुल भेजा जाता था, तब तक वह किसी वर्ण का नहीं कहलाता था। वहां गुरु अपने शिष्यों की रुचि को जानकर उसके हिसाब से उन्हें पढ़ाते थे।

वेदों को पढ़ने में रुचि लेने वालों को ब्राह्मण, युद्ध कला में महारथी को क्षत्रिय, व्यापार में रुचि वाले को वैश्य और सेवा भाव वाले को शूद्र की उपाधि दी जाती थी। इसके बाद वे समाज में उसी के हिसाब से काम करते थे। यही भगवान कह रहे हैं कि मैंने गुणों और कर्मों के आधार पर चार वर्णों की रचना की हैं, जिससे सभी मनुष्य कर्मों में लगे रहें। ये सब करते हुए भी तुम मुझे कभी न खत्म होने वाला और कुछ न करने वाला जानो। सब कुछ करते हुए भी भगवान कह रहे हैं कि मैं कुछ भी नहीं करता।

मार्फिन बढ़ेगा तो सुरक्षित रहेगा लाइसेंस, पैदावार भी होगी बेहतर : सीबीएन

के प्रशिक्षण शिविर में अफीम काश्तकारों को दिए आधुनिक खेती के मंत्र

नीमच। अफीम काश्तकारों के लिए अब केवल अच्छी पैदावार ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बेहतर मार्फिन प्रतिशत भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। बदलते नियमों और गुणवत्ता आधारित मूल्यांकन के दौर में किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) नीमच प्रथम खंड द्वारा सोमवार को नीमच टाउन हॉल में उन्नत अफीम खेती विषयक किसान प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अफीम काश्तकार पहुंचे, जिन्होंने विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर बेहतर उत्पादन और अधिक मार्फिन प्राप्त करने के वैज्ञानिक तरीके सीखे।

शिविर में उप नारकोटिक्स आयुक्त निखिल गांधी, जिला अफीम अधिकारी रामलाल दिनकर, इंस्पेक्टर अनिल श्रीवास्तव तथा नीमच-मंदसौर के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को अफीम की उन्नत खेती के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने बताया कि सही बीज चयन, खेत की तैयारी, संतुलित खाद एवं उर्वरकों का उपयोग, वैज्ञानिक सिंचाई प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण और समय पर रोग-कीट प्रबंधन अपनाकर किसान उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकों को अपनाने वाले किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं और उनकी फसल की गुणवत्ता भी बेहतर हो रही है।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि वर्तमान समय में अफीम की खेती केवल अनुभव के आधार पर नहीं, बल्कि वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार करने की आवश्यकता है। मिट्टी की जांच, पोषक तत्वों का संतुलित उपयोग और फसल की नियमित निगरानी से उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। विशेषज्ञों ने किसानों को अफीम फसल में आने वाली सामान्य समस्याओं और उनके समाधान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

जिला अफीम अधिकारी रामलाल दिनकर ने कहा कि वर्तमान में मार्फिन प्रतिशत के आधार पर लाइसेंस संबंधी पात्रता का निर्धारण किया जाता है। ऐसे में किसानों को जागरूक करना और उन्हें बेहतर तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार और सीबीएन का प्रयास है कि अफीम काश्तकारों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ा जाए ताकि उनकी पैदावार बढ़े, गुणवत्ता सुधरे और मार्फिन प्रतिशत भी बेहतर हो सके। शिविर के दौरान किसानों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर सवाल पूछे और अपने अनुभव भी साझा किए। कई किसानों ने बताया कि बदलते कृषि परिदृश्य में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम उनके लिए बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं। किसानों ने मांग की कि भविष्य में भी नियमित अंतराल पर ऐसे प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएं ताकि उन्हें नई तकनीकों और सरकारी दिशा-निर्देशों की जानकारी मिलती रहे।

नीमच प्रथम उपखंड के सैकड़ों अफीम काश्तकारों की मौजूदगी में आयोजित यह प्रशिक्षण शिविर न केवल तकनीकी जानकारी का मंच बना, बल्कि किसानों और अधिकारियों के बीच संवाद का भी महत्वपूर्ण माध्यम साबित हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसान वैज्ञानिक सलाह के अनुसार खेती करें तो आने वाले वर्षों में अफीम उत्पादन और मार्फिन गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा।

मुद्दे की बात मनीष बागड़ी कलम से...

राजनीति का बदलता मौसम और लोकतंत्र की असली कसौटी

भारतीय राजनीति में समय से बड़ा कोई खिलाड़ी नहीं होता। जो आज शिखर पर है, वह कल संघर्ष में भी हो सकता है और जो आज कठिन दौर से गुजर रहा है, वह कल फिर नई ताकत के साथ उभर सकता है। यही लोकतंत्र की खूबसूरती है।

एक दौर था जब कांग्रेस देश की राजनीति का केंद्र थी। उसके मंच पर आने वाले नेताओं की बात राष्ट्रीय सुर्खियां बनती थी। लेकिन समय बदला, राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं और कांग्रेस को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान कई बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़कर दूसरे राजनीतिक दलों का दामन थाम लिया। उन्हें लगा कि कांग्रेस का भविष्य अब सुरक्षित नहीं है और सत्ता की राजनीति में नई राह तलाशना ही बेहतर विकल्प है।

लेकिन राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं है, यह धैर्य, विचारधारा और जनता के विश्वास की भी परीक्षा है। इतिहास गवाह है कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस ने आजादी के आंदोलन से लेकर लोकतंत्र को मजबूत करने तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल के लिए कुछ चुनावी हार को उसके अंत का प्रमाण मान लेना जल्दबाजी होगी।

आज भी कांग्रेस देश में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के भविष्य जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाती दिखाई देती है। कई राज्यों में पार्टी ने सत्ता में वापसी भी की है, जो यह साबित करता है कि उसका जनाधार पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। हालांकि लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा प्रश्न केवल किसी एक दल का भविष्य नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति का भविष्य है। पिछले कुछ वर्षों में आरोप लगते रहे हैं कि जांच एजेंसियों के दबाव, विधायकों की टूट-फूट और दल-बदल की राजनीति के जरिए निर्वाचित सरकारों को अस्थिर किया गया। चाहे ये आरोप सही हों या गलत, लेकिन यह स्थिति लोकतंत्र की मजबूती के लिए चिंताजनक अवश्य है। जनता अपने मत से सरकार चुनती है और उस जनादेश का सम्मान होना चाहिए।

एक और बड़ा बदलाव समाज में दिखाई दे रहा है। कभी चुनाव विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के मुद्दों पर लड़े जाते थे। आज धार्मिक और साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की चर्चा अधिक सुनाई देती है। कभी त्योहारों पर लोग धर्म और जाति से ऊपर उठकर एक-दूसरे को गले लगाते थे, सामाजिक सौहार्द को अपनी ताकत मानते थे। आज सोशल मीडिया और राजनीतिक बयानबाजी के कारण समाज में विभाजन की रेखाएं अधिक गहरी होती नजर आती हैं।

सबसे चिंता की बात यह है कि नई पीढ़ी के मन में भी हिन्दू-मुस्लिम जैसी बहसें तेजी से जगह बना रही हैं। युवाओं की ऊर्जा रोजगार, शिक्षा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में लगनी चाहिए, लेकिन उन्हें पहचान की राजनीति में उलझाने की कोशिशें लोकतंत्र के भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। देश को ऐसी राजनीति की जरूरत है जो लोगों को जोड़े, तोड़े नहीं; जो विकास की बात करे, विवाद की नहीं; जो रोजगार पैदा करे, नफरत नहीं। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सरकार और विपक्ष दोनों मजबूत हों। सत्ता पक्ष जवाबदेह रहे और विपक्ष जनता की आवाज बनकर खड़ा रहे।

कांग्रेस हो, भाजपा हो या कोई अन्य दल—अंतिम फैसला जनता के हाथ में होता है। सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन जनता का विश्वास सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी होता है। इसलिए किसी भी दल को समाप्त मान लेना और किसी को हमेशा के लिए अजेय समझ लेना, दोनों ही राजनीतिक भूलें हैं। राजनीति का मौसम बदलता रहता है। नेता आते हैं, नेता जाते हैं। सरकारें बनती हैं, सरकारें बदलती हैं। लेकिन लोकतंत्र, विचारधारा और जनता की आकांक्षाएं हमेशा जीवित रहती हैं। शायद यही भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। और यही कारण है कि राजनीति में कभी भी किसी वापसी को असंभव नहीं कहा जा सकता।

योग से तन-मन को मिली नई ऊर्जा, आईएमए के योग सत्र में चिकित्सकों ने लिया स्वस्थ जीवन का संकल्प

नीमच। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) नीमच द्वारा आयोजित योग सत्र में स्वास्थ्य, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिला। योग गुरु उषा नवीन जैन के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष सत्र में चिकित्सकों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर योगासन, प्राणायाम और ध्यान का अभ्यास किया तथा नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

आईएमए नीमच के अध्यक्ष डॉ. मनीष चमाड़िया एवं सचिव डॉ. आदित्य भंडारी ने बताया कि वर्तमान समय की तनावपूर्ण और व्यस्त जीवनशैली में योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक संतुलन बनाए रखने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का कार्य अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण होता है, इसलिए स्वयं का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है। योग व्यक्ति को ऊर्जा, एकाग्रता और सकारात्मक सोच प्रदान करता है।

योग गुरु उषा नवीन जैन ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, श्वास क्रियाएं, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित योग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, तनाव कम होता है और जीवन में संतुलन व आत्मविश्वास का विकास होता है।

कार्यक्रम में डॉ. मनीषा चमाड़िया, डॉ. प्रियंका कदम, डॉ. प्रियंका जोशी, उषा मोदी, एलेना भंडारी, डॉ. अशोक जैन, डॉ. एल.आर. अग्रवाल, डॉ. अर्नव चंदेल, अलका सिंघल, डॉ. श्वेता गर्ग, डॉ. अनिल दुबे और डॉ. राजेंद्र भंडारी सहित अनेक चिकित्सकों एवं सदस्यों ने सहभागिता की।

योग सत्र के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नियमित योग करने का संकल्प लिया। इसके बाद हेल्दी नाश्ते के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। आयोजन ने स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ चिकित्सक समुदाय के बीच आपसी सौहार्द, जुड़ाव और सकारात्मक ऊर्जा को भी नई मजबूती प्रदान की।

मन की साधना

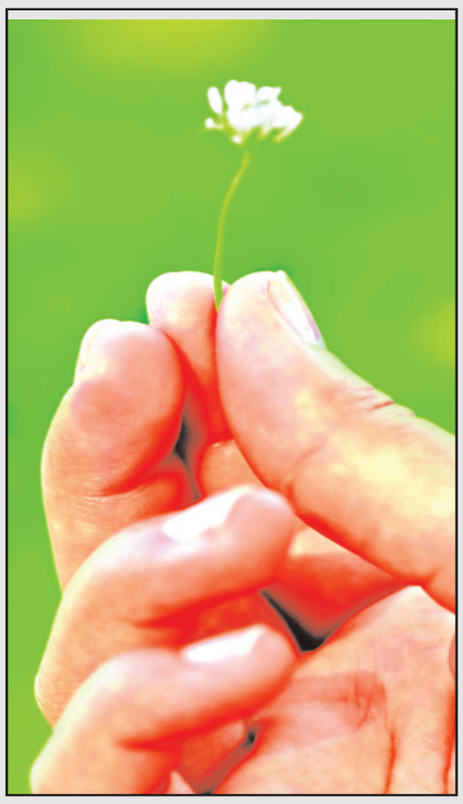

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है। गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

RBS GROUP OF INSTITUTION
कॉलेज कैम्पस : हर्कियाखाल चौराहा, मंदसौर रोड, नीमच (म.प्र.)
Ph. (07423) 268268-69-70, M.9425922520, 7869587202, 7694015501 7694015502
NURSING (नर्सिंग) | MGMT & COMMERC | Computer & IT | SOCIAL WORK | PHARMACY
GNM (नर्सिंग) BBA BCA MSW D.PHARMA
B.Sc. (नर्सिंग) MBA B.Sc. (CS)
M.Sc. (नर्सिंग) B.Com (plain) DCA EDUCATION
P.B. B.Sc. (नर्सिंग) B.Com. (Compu.) PGDCA D.Ed B.Ed
SC/ST/OBC वर्ग के विद्यार्थियों को शासकीय नियमानुसार छात्रवृत्ति

नगर पालिका ने खोली विकास कार्यों की तिजोरी विभिन्न वार्डों के लिए बुलाए ऑनलाइन टेंडर

शहर के विकास पर खर्च होंगे लाखों रुपये, सीसी रोड निर्माण से लेकर हाईस्कूल रिपेयरिंग और डोम निर्माण तक के कार्य शामिल

नीमच, निप्र। कार्यालय नगर पालिका परिषद, नीमच (म.प्र.) द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में विकास और निर्माण कार्यों को गति देने की शुरुआत की गई है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा केंद्रीयकृत प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। इस संबंध में विस्तृत विवरण विभागीय वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, विभिन्न कार्यों के लिए निविदा प्रपत्र क्रय करने और जमा करने की अंतिम तिथियां कार्य की प्रकृति के अनुसार 25 जून 2026, 04 जुलाई 2026 और 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई हैं। सभी स्वीकृत कार्यों की समय-सीमा अधिकतम 6 महीने तय की गई है। यह आदेश श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा (अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद, नीमच) और मनोहर मोटवानी (सभापति, लो.नि.वि., नगरपालिका परिषद, नीमच) की सहमति से मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा जारी किया गया है। नगर पालिका के इस कदम से शहर के बुनियादी ढांचे में बड़ा सुधार होने की उम्मीद है।

इन प्रमुख कार्यों को मिली मंजूरी

- हाईस्कूल भवन का कायाकल्प : मेजर माइनिंग रिपेयरिंग कार्य हाईस्कूल बंधाना व बा.मा.वि.क्र. 02 में किया जाएगा, जिसकी कुल लागत ₹7,68,463 + GST है ।
- सीसी रोड और नाली निर्माण : वार्ड क्रमांक 15 (कोरी मोहल्ला), वार्ड क्रमांक 11 (रमेश चौहान के मकान से बाबू अनाड़ी के मकान तक), वार्ड क्रमांक 15 (मदन मच्छी की दुकान के सामने) और वार्ड क्रमांक 07 में सीसी रोड व नाली निर्माण के कार्य करवाए जाएंगे।
- सामुदायिक भवन व अन्य निर्माण : वार्ड क्रमांक 06 में शिव मंदिर के पास चबूतरा निर्माण, वार्ड क्रमांक 08 (भगवानपुरा शबरी आश्रम) में सामुदायिक भवन (डोम) निर्माण, और लॉन टेनिस कोर्ट की मरम्मत व नवीन लेयर बिछाने का कार्य किया जाएगा।
- पुलिया व नया मार्ग निर्माण : वार्ड क्रमांक 14 में नीमच सिटी रोड मुक्तिधाम मार्ग पुलिया तथा नवीन वैद्यों के स्थल पर सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत ₹41,85,734 + GST है।

पेयजल टैंकों में मिली मिट्टी, फ्लो मीटर बंद जलकल सभापति के निरीक्षण में हिंगोरिया प्लांट में ठेकेदार की लापरवाही उजागर

नीमच । शहर में दूषित पानी की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जलकल सभापति छाया जायसवाल ने हिंगोरिया फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान प्लांट पर गंभीर अव्यवस्थाएं और ठेकेदार की लापरवाही सामने आई, जिस पर सभापति ने सख्त निर्देश दिए। सोमवार को निरीक्षण के दौरान सभापति जायसवाल ने पाया कि शहर को पानी सप्लाई करने वाले मुख्य टैंकों के तल में भारी मात्रा में मिट्टी जमी हुई थी। इसी कारण शहरवासियों को मटमैला और दूषित पानी मिल रहा था। इसके अतिरिक्त, पानी का बहाव मापने वाले फ्लो मीटर भी बंद पाए गए।

युद्धस्तर पर सफाई और व्यवस्था सुधारने के निर्देश - सभापति ने तत्काल बंद फ्लो मीटरों को चालू करने और टैंकों से मिट्टी हटाकर उनकी युद्धस्तर पर सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार को व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त हिदायत दी। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि ठेकेदार की लगातार लापरवाही के कारण शहर की जल प्रदाय व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो चुकी है।

लापरवाही पर ठेकेदार को मिली कड़ी कार्रवाई की चेतावनी - निरीक्षण के दौरान जलकल सभापति छाया जायसवाल के साथ वीरेंद्र जायसवाल, नपा केमिस्ट सुरेश पंवार, संबंधित ठेकेदार आकाश गुप्ता और नगर पालिका के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। सभापति ने चेतावनी दी कि यदि व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एमपी में मानसून की दस्तक !

अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, बालाघाट के रास्ते प्रवेश को तैयार

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम मानसून बेहद तेजी से आगे बढ़ते हुए अब प्रदेश की दहलीज पर पहुंच गया है। महज एक दिन पहले दस्तक देने के बाद, मानसून ने मंगलवार को आधे से अधिक छत्तीसगढ़ को अपने दायरे में ले लिया है। दरअसल, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने मजबूत सिस्टम के कारण मानसून की रफ्तार तेज हो गई है और अब यह बालाघाट के रास्ते मध्य भारत के इस हिस्से में पूरी तरह प्रवेश करने को तैयार है।

बारिश और तापमान का हाल - मंगलवार को राजधानी में जहां बौछारें पड़ीं, वहीं बालाघाट जिले के मलाजखंड में 28 मिलीमीटर सबसे अधिक वर्षा हुई। तापमान की बात करें तो पश्चिमी इलाकों में 30.4 डिग्री से 41.2 डिग्री और पूर्वी इलाकों में 32.2 डिग्री से 40.4 डिग्री तक रिकॉर्ड किए गए। बुधवार को प्रदेश के 41 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, सीधी और नरसिंहपुर जिलों में अब भी उष्ण लहर चलने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम केंद्र का अनुमान है कि आने वाले अगले पांच दिनों तक प्रदेश के मौसम में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा।

कई जिलों में 70 की रफ्तार से चलीं हवाएं - मंगलवार को छिंदवाड़ा, पांढुर्ना, सिवनी, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बालाघाट, खरगोन, धार, बड़वानी, देवास और रायसेन में मध्यम गरज-चमक के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलीं। वहीं विदिशा और सीहोर में हवा की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, रीवा और सागर सहित कई अन्य जिलों में भी शाम को तेज हवाओं ने मौसम बदल दिया।

आज यहां गरज-चमक के साथ होगी वर्षा - भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, गुना, सिंगरौली, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, मैहर, पांढुर्णा।

सरकारी कार्यालयों की स्टेशनरी खरीद के लिए टेंडर जारी, 10 जुलाई तक मांगी गईं निविदाएं

नीमच । जिले के शासकीय कार्यालयों में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान स्टेशनरी एवं अन्य लेखन सामग्री की खरीद के लिए दर निर्धारण हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। इच्छुक फर्म एवं विक्रेता 10 जुलाई 2026 को दोपहर 1 बजे तक कलेक्टर कार्यालय की स्टेशनरी शाखा (कक्ष क्रमांक-26) में सीलबंद लिफाफे में निविदाएं जमा कर सकते हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डाक या अन्य माध्यम से भेजी गई निविदाएं भी स्वीकार की जाएंगी, लेकिन निर्धारित समय के बाद प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। निविदाओं से संबंधित शुल्क, नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी जिला प्रशासन की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

RRM Group of Institution
Radhadevi Ramchandra Mangal Group of Institutions
100% Placement | Courses Offered - | Bus Facility Available
BBA, BCA, B.Com, ITI (Electrician/Fitter), B.Sc. Plain
B.Sc Micro Biology, B.Sc. (CS), B.Sc Seed Technology
B.Sc Agriculture, B.Ed, D.Ed, MBA, MSW
Bhatkheda, Mhow-Neemuch Road, Near Neemuch By Pass
Mob. 9406837863, 9424899978, 9425328392

SHRI S.R. GROUP OF COLLEGES
Admission Open 2025-26
धर्मेश तिवारी Director
MBA 2 Year | B.Pharma 4 Year | D.Pharma 2 Year
B.Ed. 2 Year | D.Ed./STC 2 Year | B.Sc. B.Ed. 4 Year | B.A. B.Ed. 4 Year
Singoli Road, Newad, Neemuch (M.P.) City Office : Indira Nagar, PG College Road, Neemuch (M.P.)
8817326635, 8109927774 shrisrcollege collegesr90@gmail.com

श्री देव वेल्डिंग वर्कस
आवश्यकता है
वर्कशॉप पर काम करने के लिए
वेल्डर, फिटर और हेल्पर की तुरंत आवश्यकता है
संपर्क करें:
मदन माली - 9669999779
राजमल गायरी - 9926640630
पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच
पता: स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागांव-नीमच

GYANODAYA INTERNATIONAL SCHOOL
Admission announcement for the session 2026-27
ALL INTERNATIONAL FACILITIES UNDER ONE ROOF
PREPARING FUTURE LEADERS WITH AI
ACADEMICS
SPECIAL FEATURES
CO-CURRICULAR ACTIVITIES
SPORTS & GAMES
Admission Open Class : Nursery to 12th
Bus Facility Available
Class 11th Streams Science, Commerce & Humanities
NMH: 7771006847 | Jawad : 7898358888 | Manasa : 7771001308

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस™
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव। 1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु 45990/- रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...
INTRODUCING KNIGHT+
#BuiltToPerform
RTO मॉडल मात्र
रु 81000/- रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।